बेस्ट स्टॉल श्रेणी में कोडिंग क्लब को प्रथम पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में डॉ. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लेनेट्स, हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर देते हुए कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित चेंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की बात हो। आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

113 विजेताओं को पुरस्कृत किया

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. एलोरा सेन ने परंपरागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भाषण, पोस्टर, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बेस्ट स्टॉल श्रेणी में हकेंवि के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए।

स्कूल के छात्रों को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में 24 से 28 फरवरी को विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें बीआर स्कूल सेहलंग के विद्यार्थियों द्वारा बनाया प्रोजेक्ट बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार व आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. संदीप सहिजपाल व हरियाणा विज्ञान रत्न अवॉर्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप संचालक कृष्ण भारद्वाज, वाइस प्रिंसिपल ज्योति भारद्वाज, राजकुमार, राजपाल, बिजेंद्र सिंह, महिमा, नीतू कूकड़, इंद्र यादव उपस्थित रहे। संवाद

राहत

परिवहन मंत्री के आदेश के बाद जीएम ने दिए निर्देश

अब हकेंवि के सामने रुकेंगी रोडवेज बसें

संवाद न्यूज एजेंसी

नारनौल। जाट पाली गांव स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आएगी। अब सभी रोडवेज बसें केंद्रीय विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों को उतारकर व चढ़ाकर ही अपने गंतव्य को जाएंगी। फिलहाल लंबे रूट की बसों की यहां स्टॉपिज नहीं थी। इसके अलावा कुछ अन्य चालक भी बसों को नहीं रोकते थे लेकिन अब सभी प्रकार की बसें यहां रुकेगी। यह आदेश रोडवेज जीएम ने भिवानी-दादरी-नारनौल रूट पर चलने वाले सभी चालक-परिचालकों को दिए हैं।

जारी निर्देशों में कहा गया है कि नारनौल आगार के नारनौल-दादरी-भिवानी मार्ग पर चलने वाले सभी चालक-परिचालक अब अपने वाहन को केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली बस अड्डे पर बसों को रोकेंगे और छात्र-छात्राओ को उतारेंगे और चढ़ाएंगे। इस बारे में किसी चालक या परिचालक बारे कोई शिकायत कार्यालय में प्राप्त होती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

परिवहन मंत्री से की थी मांग

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा 16 फरवरी को केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आए थे। यहां छात्र-छात्राओं की मांग पर परिवहन मंत्री से विवि प्रशासन ने बसों को रुकवाने की मांग की थी। इस पर मंत्री ने जीएम को सभी बसों के ठहराव के आदेश दिए थे। इस पर अब यह कार्रवाई शुरू हुई है।

एक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई

जाट पाली गांव के बस अड्डे पर बसों के ठहराव कराने के लिए जीएम की तरफ से नियमित रूप से एक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है। यह कर्मचारी आने-जाने वाली सभी बसों को रुकवाने का काम करेगा ताकि छात्रों को कोई दिक्कत नहीं आए।

“ विवि की तरफ से बसों के ठहराव की मांग की गई थी। मंत्री के आदेश के बाद सभी बसों के ठहराव के आदेश दे दिए गए हैं। बाकायदा एक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है। **-नवीन कुमार, महाप्रबंधक, हरियाणा रोडवेज महेंद्रगढ़ डिपो।**

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन है अहम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में डा. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कास्मिक जर्नी गैलेक्सिज टू प्लेनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं। बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स आफ इनोवेशन के अंतर्गत

आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में प्रो. संदीप सहिजपाल को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक

स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परंपरा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। विशेषज्ञ वक्ता डा. एलोरा सेन ने परंपरागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित आइडिया आफ इनोवेशन, आइडिया आफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट आफ वेस्ट और वर्किंग माडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. एके यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

मौलिक चिंतन के माध्यम से ज्ञान का विकास करें

कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजवाल ने हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रही और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान दिवस मनाया

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की। कुलपति ने कहा कि आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं। उनका उल्लेख हमारे पुरातन वेद-पुराणों में देखने को मिलता है। आज जरूरत है उस ज्ञान को प्रमाण के साथ प्रस्तुत करने की। इसलिए मेरी नौजवान पीढ़ी से यही अपील है कि वह मौलिक चिंतन के माध्यम से अपने ज्ञान का विकास करें। इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्त्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. एके यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

नई खोज की ओर बढ़ें

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी अपने संबोधन में पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परम्परा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। अनेकों सवालों के जवाब हमारे प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है। आवश्यकता है उन्हें पढ़कर आगे बढ़ने की।

हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

मौलिक चिंतन के माध्यम से ज्ञान का विकास करें

कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजवाल ने हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रही और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान दिवस मनाया

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की। कुलपति ने कहा कि आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं। उनका उल्लेख हमारे पुरातन वेद-पुराणों में देखने को मिलता है। आज जरूरत है उस ज्ञान को प्रमाण के साथ प्रस्तुत करने की। इसलिए मेरी नौजवान पीढ़ी से यही अपील है कि वह मौलिक चिंतन के माध्यम से अपने ज्ञान का विकास करें। इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्त्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. एके यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

नई खोज की ओर बढ़ें

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी अपने संबोधन में पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परम्परा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। अनेकों सवालों के जवाब हमारे प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है। आवश्यकता है उन्हें पढ़कर आगे बढ़ने की।

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन से ही मिलेगी सफलता : प्रो. टंकेश्वर कुमार

- हकेवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित
- पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन रहीं उपस्थित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्दगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में डॉ. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लेनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय केकुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सी.वी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की। कुलपति ने कहा कि आज विदेशी वैज्ञानिक जिन पक्षों को नई खोज के रूप में प्रस्तुत करते नजर आते हैं। उनका उल्लेख हमारे पुरातन वेद-पुराणों में देखने को मिलता है। आज जरूरत है उस ज्ञान को प्रमाण के साथ प्रस्तुत करने की। इसलिए मेरी नौजवान पीढ़ी से यही अपील है कि वह मौलिक चिंतन के माध्यम से अपने ज्ञान का विकास करें। इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को आयोजित विशेष प्रतियोगिताओं व प्रदर्शनियों के विषय में जानकारी दी और कहा कि इस आयोजन में 400 से अधिक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय के प्रतिभागी शामिल हुए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने भी अपने संबोधन में पुरातन ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपनी ज्ञान परम्परा को ध्यान में रखते हुए नई खोज की ओर आगे बढ़ना चाहिए। अनेकों सवालों के जवाब हमारे प्राचीन ग्रंथों में उपलब्ध है। आवश्यकता है उन्हें पढ़कर आगे बढ़ने की।

विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए प्रो. संदीप सहिजपाल ने बड़े ही रोचक अंदाज में ब्रह्मांड से जुड़े रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र में लगातार जारी शोध व उसके परिणामों और उसमें उपलब्ध शोध की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से सूर्य व अन्य ग्रह विकसित हुए और उन पर जीवन की शुरुआत के पीछे का ज्ञान क्या है। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान कभी भी पूर्ण नहीं होता है और एक नई खोज के बाद शोध की अनिगत संभावनाएं विकसित होती हैं। इसलिए सदैव नया करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. एलोरा सेन ने परम्परागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है। उन्होंने मुलेठी का उल्लेख करते हुए बताया कि वह स्वास्थ्य के लिए किस हद तक लाभदायक है और उससे संबंधित शोध परिणामों को भी सांझा किया। डॉ. एलोरा सेन ने सवाल जवाब सत्र के दौरान कहा कि आवश्यकता के अनुरूप हमें परम्परागत उपचार के उपायों व आधुनिक उपचार का चयन करना होता है। दोनों ही उपयोगी है और परिणाम देते हैं। कोरोना काल में हम एक बार फिर से परम्परागत उपचार की ओर बढ़े है जो कि अच्छे संकेत हैं। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विच प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया। बेस्ट स्टॉल श्रेणी में हकेवि के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में 400 से अधिक प्रतिभागी स्कूल व विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

Expert lecture and prize distribution ceremony organized on National Science Day in CUH

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDEGARH : On the occasion of National Science Day an expert lecture was organized on Tuesday in Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. As an expert speaker in this program, Prof. Sandeep Sahijpal of Panjab University delivered a lecture on 'A Cosmic Journey: Galaxies to Planets' and Haryana Vigyan Ratna Award winner Prof. Ellora Sen delivered a lecture on the topic Modern Science Meets Traditional Medicine. The program was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. In his address, he emphasized on fundamental thinking in the field of science and said that India can register its presence in the field of science at the world level only by fundamental thinking in its own language. On this occasion, the first woman of the University, Prof. Sunita Srivastava and Pro Vice-Chancellor Prof. Sushma Yadav was present and awarded the winners of various competitions organized under Wonders of Innovation held on 24th February. Prof. Tankeshwar Kumar said that India celebrates today as National Science Day remembering the contribution of Nobel laureate Dr. CV Raman. To understand science, we must adopt that medium in which we are comfortable, whether it is a matter of language or the knowledge we get from ancient culture. The Vice Chancellor said that today foreign scientists are seen presenting the aspects as new discoveries, the reference of which is found in our ancient Vedas and Puranas. Today there is a need to present that knowledge with evidence. That's why I appeal to the young generation to develop their knowledge through original thinking.

“ THE VICE CHANCELLOR SAID THAT TODAY FOREIGN SCIENTISTS ARE SEEN PRESENTING THE ASPECTS AS NEW DISCOVERIES, THE REFERENCE OF WHICH IS FOUND IN OUR ANCIENT VEDAS AND PURANAS. TODAY THERE IS A NEED TO PRESENT THAT KNOWLEDGE WITH EVIDENCE.

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन से ही मिलेगी सफलता : प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.के.वि. में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 फरवरी (परमजीत, मोहन) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में डा. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लैनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दर्ज करवा सकता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डा. सी.वी. रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है।

हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की।

विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए प्रो. संदीप सहिजपाल ने बड़े ही रोचक अंदाज में ब्रह्मांड से जुड़े रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र में लगातार जारी शोध व उसके परिणामों और उसमें उपलब्ध शोध की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता डा. एलोरा सेन ने परम्परागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है।

डा. एलोरा सेन ने सवाल जवाब सत्र के दौरान कहा कि आवश्यकता के अनुरूप हमें परम्परागत उपचार के उपायों व आधुनिक उपचार का चयन करना होता है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया।

बैस्ट स्टॉल श्रेणी में ह.के.वि. के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमैडीकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में 400 से अधिक प्रतिभागी स्कूल व विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन से ही मिलेगी सफलता : प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.के.वि. में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 28 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में डा. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मंगलवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में पंजाब यूनिवर्सिटी के प्रो. संदीप सहिजपाल ने ए कॉस्मिक जर्नी: गैलेक्सिज टू प्लैनेट्स व हरियाणा विज्ञान रत्न अवार्ड विजेता प्रो. एलोरा सेन ने माडर्न साइंस मिट्स ट्रेडिशनल मेडिसन विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक चिंतन पर जोर दिया और कहा कि स्व भाषा में मौलिक चिंतन से ही भारत विश्व स्तर पर विज्ञान के क्षेत्र में उपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहीं और बीती 24 फरवरी को आयोजित वंडर्स ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डा. सी.वी. रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है।

हमें विज्ञान को समझने के लिए अवश्य ही उस माध्यम को अपनाना चाहिए, जिसमें हम सहज हों फिर वो चाहे भाषा की बात हो या फिर पुरातन संस्कृति से मिलने वाले ज्ञान की।

विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए प्रो. संदीप सहिजपाल ने बड़े ही रोचक अंदाज में ब्रह्मांड से जुड़े रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस क्षेत्र में लगातार जारी शोध व उसके परिणामों और उसमें उपलब्ध शोध की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता डा. एलोरा सेन ने परम्परागत उपचार पद्धतियों को लेकर विस्तार से बताया कि किस तरह से भारतीय आयुर्वेद में इनका प्रचलन रहा है।

डा. एलोरा सेन ने सवाल जवाब सत्र के दौरान कहा कि आवश्यकता के अनुरूप हमें परम्परागत उपचार के उपायों व आधुनिक उपचार का चयन करना होता है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित आइडिया ऑफ इनोवेशन, आइडिया ऑफ न्यू स्टार्टअप, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 113 विजेताओं को पुरस्कृत किया।

बैस्ट स्टॉल श्रेणी में ह.के.वि. के कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के कोडिंग क्लब को प्रथम, बी.वॉक. बायोमैडीकल साइंस विभाग को द्वितीय व योग विभाग को तृतीय पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में 400 से अधिक प्रतिभागी स्कूल व विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. पवन कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. गुंजन गोयल व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी

- विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिला

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्नातक पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) यूजी 2023 के अंतर्गत ये दाखिले होंगे और इस बार विश्वविद्यालय इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.वॉक. के तीन, बी.टेक. के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी भौतिकी,बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए.बीएड शामिल है। आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी 12 मार्च 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित विस्तृत जानकारी www.nta.ac.in, https://cuet.samarth.ac.in/ पर उपलब्ध है।

हकेवि ने किया सामाजिक आऊटरीच गतिविधि के बारे विस्तार से दी जानकारी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा बुधवार को सामाजिक आउटरीच गतिविधि के अंतर्गत मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग द्वारा स्वास्थ केंद्र के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय स्कूली छात्राओं को जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से किशोरियों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए औषधि विज्ञान विभाग और स्वास्थ्य केंद्र की सराहना की।

जागरूक कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। **आज समाज**

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाजोपयोगी हैं और विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली में प्रधानाचार्य डॉ. आई.सी. शर्मा ने विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. तरुण कुमार, डॉ. मनीषा पांडे, डॉ. रजत यादव, डॉ. हीना यादव एवं डॉ. नीलम यादव के प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हीना यादव और डॉ. मनीषा पांडे स्कूली लड़कियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। इस आयोजन से स्कूल की लगभग 60 छात्राएं और महिला कर्मचारी लाभान्वित हुई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध करवाए गए। कार्यक्रम में औषध विज्ञान विभाग के शोधार्थी जितेन सिंह, रचना यादव एवं रक्षा ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर गांव के पंच श्री अनिल शर्मा और श्रीमती पूजा सहित विद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंविवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) यूजी 2023 के अंतर्गत ये दाखिले होंगे। इस बार विश्वविद्यालय इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

इन पाठयक्रमों में होंगे दाखिले : विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बीवॉक के तीन, बीटेक के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक इंडस्टियल वेस्ट मैनेजमेंट, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बीटेक इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी भौतिकी,बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए, बीएड शामिल है। आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी 12 मार्च तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कार्यक्रम

हकेंवि में सामाजिक आउटरीच गतिविधि का किया आयोजन

छात्राओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्वच्छता के बारे में दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक आउटरीच गतिविधि के अंतर्गत मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग द्वारा स्वास्थ केंद्र के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय स्कूली छात्राओं को जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से किशोरियों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए औषधि विज्ञान विभाग और स्वास्थ्य केंद्र की सराहना की।

जागरुकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। संवाद

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाजोपयोगी हैं और विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली में प्रधानाचार्य डॉ. आईसी शर्मा ने विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. तरुण कुमार, डॉ. मनीषा पांडे, डॉ. रजत यादव, डॉ. हीना यादव एवं डॉ. नीलम यादव के प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हीना यादव और डॉ. मनीषा पांडे स्कूली लड़कियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया।

इस आयोजन से स्कूल की लगभग 60 छात्राएं और महिला कर्मचारी लाभांवित हुईं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध करवाए गए। कार्यक्रम में औषध विज्ञान विभाग के शोधार्थी जितेन सिंह, रचना यादव एवं रक्षा ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर गांव के पंच अनिल शर्मा और पूजा सहित विद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में यूजी कोर्सों में आवेदन प्रक्रिया जारी

सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) यूजी 2023 के अंतर्गत ये दाखिले होंगे और इस बार विश्वविद्यालय इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.वॉक. के तीन, बी.टेक. के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी रसायन विज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी., एम.एससी भौतिकी, बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए, बीएड शामिल है। आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी 12 मार्च 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित जानकारी www.nta.ac.in, https://cuet.samarth.ac.in/ पर उपलब्ध है।

हकेवि ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष जागरुकता कार्यक्रम करवाया

महेंद्रगढ़ | हकेवि द्वारा बुधवार को सामाजिक आउटरीच गतिविधि के अंतर्गत मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग द्वारा स्वास्थ केंद्र के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय स्कूली छात्राओं को जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से किशोरियों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्त्व पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाजोपयोगी हैं और विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरुकता की आवश्यकता पर जोर दिया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली में प्रधानाचार्य डॉ. आई.सी. शर्मा ने विद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. तरुण कुमार, डॉ. मनीषा पांडे, डॉ. रजत यादव, डॉ. हीना यादव एवं डॉ. नीलम यादव के प्रयासों से किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हीना यादव और डॉ. मनीषा पांडे स्कूली लड़कियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। इस आयोजन से स्कूल की लगभग 60 छात्राएं और महिला कर्मचारी लाभान्वित हुईं। कार्यक्रम में औषध विज्ञान विभाग के शोधार्थी जितेन सिंह, रचना यादव एवं रक्षा ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर गांव के पंच अनिल शर्मा और पूजा सहित विद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया 12 मार्च तक

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिला प्रक्रिया 12 मार्च तक है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) यूजी 2023 के अंतर्गत यह दाखिले होंगे और इस बार विश्वविद्यालय इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बीवॉक के तीन, बीटेक के चार व इंटीग्रेटेड के चार तथा बी-एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी भौतिकी, बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए बीएड शामिल है।

हकेंवि

एनआईईएलआईटी, रोपड़ के सहयोग से हो रहा है आयोजन

मशीन लर्निंग पर कार्यशाला, आंकड़ों के अवलोकन में मिलेगी मदद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और पायथन कार्यक्रम के प्रति आवश्यक जानकारी व कौशल विकास के लिए पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी), रोपड़ व हकेंवि के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला करवाई जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। आज के समय में विभिन्न माध्यमों से एकत्र होने वाले आंकड़ों का अवलोकन जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझने में मदद मिलेगी।

कुलपति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी पर केंद्रित टेक्नोलॉजी जैसे कि चेटजीपीटी का उल्लेख भी किया। कार्यशाला के आरंभ में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के संयोजक डॉ. केशव सिंह रावत ने कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्य व उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में मुख्यातिथि एनआईईएलआईटी, चंडीगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांशु तिवारी ने कहा कि अवश्य ही हकेंवि के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस मौके पर केंद्र के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और अन्य कार्यक्रमों के स्तर पर साझेदारी करने का भी प्रस्ताव किया। उन्होंने पायथन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रोग्रामिंग की ऐसी भाषा है जो विद्यार्थियों के रोजगार सृजन में मददगार है। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में नई तकनीक बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने पायथन प्रोग्राम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इसका ज्ञान विद्यार्थियों को आईटी इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने व नवोन्मेषण की दिशा में सहयोग करेगा। इस कार्यशाला में एनआईईएलआईटी, चंडीगढ़ के एडिशन डायरेक्टर डॉ. मनीष अरोड़ा, विशेषज्ञ साइंटिस्ट डी डॉ. अनीता बुद्धिराजा, साइंटिस्ट सी डॉ. स्वर्ण सिंह ने विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्रदान की।

नौकरी के अवसर विषय पर की चर्चा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नौकरी में अवसर विषय पर केंद्रित चर्चा का आयोजन किया। ऑनलाइन चर्चा विशेष रूप से शिक्षा विभाग के पूर्व छात्रों के साथ आयोजित की गई। परिचर्चा में 62 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्था के लक्ष्यों को साकार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़े रखने में पूर्व छात्र संघ की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह विश्वविद्यालय के रचनात्मक विकास से जोड़ते हुए उनमें सदैव संस्था के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करता है। कार्यक्रम के आरंभ में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्र संघ की आवश्यकता और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पूर्व छात्र डॉ. विजयन, अबोध, प्रद्युम्न और संकाय सदस्य डॉ. नितिन ने आईसीटी, पाठ्य चर्चा डिजाइन, जीवन कौशल और शिक्षा शास्त्र के स्तर पर नवीनतम बदलावों को अपनाते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला आयोजित करने पर जोर दिया। संवाद

कार्यशाला में मशीन लर्निंग व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी सीख रहे केंद्रीय विवि के विद्यार्थी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी और पायथन प्रोग्राम के प्रति आवश्यक जानकारी व कौशल विकास हेतु पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी), रोपड़ के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला के आरंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के संयोजक डॉ. केशव सिंह रावत ने कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्य व उसके महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में मुख्य अतिथि एनआईईएलआईटी, चण्डीगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांशु तिवारी ने कहा कि अवश्य ही हकेवि के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने इस मौके पर केंद्र के साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी और अन्य कार्यक्रमों के स्तर पर साझेदारी करने का भी प्रस्ताव किया। पायथन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रोग्रामिंग की ऐसी भाषा है जो विद्यार्थियों के रोजगार सृजन में मददगार है। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्कयूबेशन की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में नई तकनीक बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पायथन प्रोग्राम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इसका ज्ञान विद्यार्थियों को आईटी इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने व नवोन्मेषण की दिशा में सहयोग करेगा। इस कार्यशाला में एनआईईएलआईटी, चण्डीगढ़ के एडिशन डायरेक्टर डॉ. मनीष अरोड़ा, विशेषज्ञ साइंटिस्ट डी डॉ. अनीता बुद्धिराजा, साइंटिस्ट सी डॉ. स्वर्ण सिंह ने विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभाग की ओर से कार्यशाला के समन्वयक डॉ. सूरज आर्य, सहसमन्वयक डॉ. सुनील कुमार, डॉ. प्रीति मराठा व डॉ. अनूप तिवारी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

मशीन लर्निंग पर कार्यशाला का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और पायथन प्रोग्राम के प्रति आवश्यक जानकारी व कौशल विकास के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी (एनआइईएलआइटी), रोपड़ के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में विभिन्न माध्यमों से एकत्र होने वाले आंकड़ों का अवलोकन जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर कुलपति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी पर केंद्रित टेक्नालाजी जैसे कि चेटजीपीटी का उल्लेख भी किया।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

कार्यशाला के आरंभ में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के संयोजक डॉ. केशव सिंह रावत ने कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्य व उसके महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में मुख्य अतिथि एनआइईएलआइटी, चंडीगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांशु तिवारी ने कहा कि अवश्य ही हकेवि के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस मौके पर केंद्र के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और अन्य कार्यक्रमों के स्तर पर साझेदारी करने का भी प्रस्ताव किया। उन्होंने पायथन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रोग्रामिंग की ऐसी भाषा है जो विद्यार्थियों के रोजगार सृजन में मददगार है। विश्वविद्यालय के सेंटर फार इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में नई तकनीक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पायथन प्रोग्राम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इसका ज्ञान विद्यार्थियों को आइटी इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने व नवोन्मेषण की दिशा में सहयोग करेगा।

इस कार्यशाला में एनआइईएलआइटी, चंडीगढ़ के एडिशन डायरेटर डा. मनीष अरोड़ा, विशेषज्ञ साइंटिस्ट डी डा. अनीता बुद्धिराजा, साइंटिस्ट सी डा. स्वर्ण सिंह ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयो की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभाग की ओर से कार्यशाला के समन्वयक डा. सूरज आर्य, सहसमन्वयक डा. सुनील कुमार, डा. प्रीति मराठा व डा. अनूप तिवारी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

विवि के ब्रांड अंबेसडर हैं पूर्व छात्र : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नौकरी में अवसर विषय पर केंद्रित चर्चा का आयोजन किया। आनलाइन आयोजित यह चर्चा विशेष रूप से शिक्षा विभाग के पूर्व छात्रों के साथ आयोजित की गई। इसमें 62 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्था के लक्ष्यों को साकार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हमारे ब्रांड अंबेसडर हैं।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़े रखने में पूर्व छात्र संघ की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह विश्वविद्यालय के रचनात्मक विकास से जोड़ते हुए उनमें सदैव संस्था के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करता है। कुलपति ने इस चर्चा को आपस में विचारों के सफलतम आदान-प्रदान का माध्यम बताया और कहा कि ऐसे ही संवाद से भविष्य का रोडमेप तैयार करने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्र संघ की आवश्यकता और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कार्यक्रम में पूर्व छात्र डा. विजयन, अबोध, प्रद्युम्न और संकाय सदस्य डा. नीतिन ने विश्वविद्यालय के संबंध में अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस अवसर पर आईसीटी, पाठ्यचर्चा डिजाइन, जीवन कौशल, और शिक्षा शास्त्र के स्तर पर नवीनतम बदलावों को अपनाते हुए अध्ययन-अध्यापन और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला आयोजित करने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की विरासत को कायम रखने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि ऐलुमिनी संघ का गठन विश्वविद्यालय कुलपति के निर्देशन में एक उल्लेखनीय प्रयास है। जिसमें विशेष रूप से पूर्व छात्र को सलाहकार, स्वयंसेवक व सहयोगी के रूप में सम्मिलित किया गया जाएगा ताकि वे विश्वविद्यालय की प्रगति में सकारात्मक योगदान दें सके।

हकेवि में मशीन लर्निंग पर कार्यशाला

नारनौल, 9 मार्च (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और पायथन प्रोग्राम के प्रति आवश्यक जानकारी व कौशल विकास हेतु पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी), रोपड़ के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला के आरंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के संयोजक डॉ. केशव सिंह रावत ने कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्य व उसके महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में मुख्य अतिथि एनआईईएलआईटी, चंडीगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांशु तिवारी ने कहा कि अवश्य ही हकेवि के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में मशीन लर्निंग पर कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्व पर प्रकाश डाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से विद्यार्थियों में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और पायथन प्रोग्राम के प्रति आवश्यक जानकारी व कौशल विकास हेतु पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी) रोपड़ के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में विभिन्न माध्यमों से एकत्र होने वाले आंकड़ों का अवलोकन जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के आरंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के संयोजक डॉ. केशव सिंह रावत ने कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्य व उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यशाला में मुख्यातिथि एनआईईएलआईटी चण्डीगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांशु तिवारी ने कहा कि अवश्य ही हकेवि के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। निदेशक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में नई तकनीक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पायथन प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इसका ज्ञान विद्यार्थियों को आईटी इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने व नवोन्मेषण की दिशा में सहयोग करेगा। इस कार्यशाला में एनआईईएलआईटी चंडीगढ़ के एडिशन डायरेटर डॉ. मनीष अरोड़ा, विशेषज्ञ साइंटिस्ट डी डॉ. अनीता बुद्धिराजा, साइंटिस्ट सी डॉ. स्वर्ण सिंह ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्रदान की।

हकेंवि में मशीन लर्निंग पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 9 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटैलिजैंसी और पायथन प्रोग्राम के प्रति आवश्यक जानकारी व कौशल विकास हेतु 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हो रहा है।

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलैक्ट्रोनिक्स एंड इंफोरमेशन टैक्नोलॉजी रोपड़ के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन में तेजी से बढ़ती मशीन लर्निंग व पायथन के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आज के समय में विभिन्न माध्यमों से एकत्र होने वाले आंकड़ों का अवलोकन जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर कुलपति ने आर्टिफिशियल इंटैलिजैंसी पर केंद्रित टैक्नोलॉजी जैसे कि चैटजीपीटी का उल्लेख भी किया।

कार्यशाला के आरंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यशाला के संयोजक डॉ. केशव सिंह रावत ने कार्यशाला की रूपरेखा, उद्देश्य व उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा की जाएगी।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि एन.आई.ई.एल.आई.टी., चंडीगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरैक्टर शुभांशु तिवारी ने कहा कि अवश्य ही हकेंवि के साथ यह सांझेदारी विद्यार्थियों के कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने पायथन प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इसका ज्ञान विद्यार्थियों को आई.टी. इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने व नवोन्मेषण की दिशा में सहयोग करेगा।

इस कार्यशाला में एन.आई.ई.एल.आई.टी., चंडीगढ़ के एडिशन डायरैक्टर डॉ. मनीष अरोड़ा, विशेषज्ञ साइंटिस्ट डी. डॉ. अनीता बुद्धिराजा, साइंटिस्ट सी डॉ. स्वर्ण सिंह ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में विभाग की ओर से कार्यशाला के समन्वयक डॉ. सूरज आर्य, सहसमन्वयक डॉ. सुनील कुमार, डॉ. प्रीति मराठा व डॉ. अनूप तिवारी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बैसेडर हैं पूर्व छात्र: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 9 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नौकरी में अवसर विषय पर केंद्रित चर्चा का आयोजन किया। ऑनलाइन आयोजित यह चर्चा विशेष रूप से शिक्षा विभाग के पूर्व छात्रों के साथ आयोजित की गई, जिसमें 62 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्था के लक्ष्यों को साकार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी हमारे ब्रांड एम्बैसेडर हैं।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़े रखने में पूर्व छात्र संघ की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह विश्वविद्यालय के रचनात्मक विकास से जोड़ते हुए उनमें सदैव संस्था के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करता है। कुलपति ने इस चर्चा को आपस में विचारों के सफलतम आदान-प्रदान का माध्यम बताया और कहा कि ऐसे ही संवाद से भविष्य का रोडमेप तैयार करने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र संघ व शिक्षक शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. नंद किशोर ने पूर्व छात्र संघ की आवश्यकता और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कार्यक्रम में पूर्व छात्र डॉ. विजयन, अबोध, प्रद्युम्न और संकाय सदस्य डॉ. नीतिन ने विश्वविद्यालय के संबंध में अपने विचार सांझा किए। उन्होंने इस अवसर पर आई.सी.टी., पाठ्य चर्चा डिजाइन, जीवन कौशल, और शिक्षा शास्त्र के स्तर पर नवीनतम बदलावों को अपनाते हुए अध्ययन-अध्यापन और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर कार्यशाला आयोजित करने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की विरासत को कायम रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

कार्यक्रम के अंत में पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि एलुमिनी संघ का गठन विश्वविद्यालय कुलपति के निर्देशन में एक उल्लेखनीय प्रयास है, जिसमें विशेष रूप से पूर्व छात्र को सलाहकार, स्वयंसेवक व सहयोगी के रूप में सम्मिलित किया गया जाएगा ताकि वे विश्वविद्यालय की प्रगति में सकारात्मक योगदान दे सकें।

हकेवि समकुलपति प्रो. सुषमा यादव को मिला महिला सशक्तिकरण सम्मान

- दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र सौंपते हुए समकुलपति प्रो. सुषमा यादव।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों हेतु महिला सशक्तिकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

समकुलपति प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तिकरण हेतु उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान हेतु प्रयास निरंतर जारी है।

प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

प्रो. यादव ने इस मौके पर भागीदारी जनसहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी यूनिवर्सिटी), नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. के.के. अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा उनके कार्यों को देखते हुए दिया गया यह सम्मान महिला उत्थान की दिशा में जारी उनके प्रयासों को बल प्रदान करेगा। प्रो. सुषमा यादव को यह पुरस्कार राजधानी दिल्ली में इंजीनियर्स भवन के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। यहां बता दे कि इससे पूर्व में भी प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव को उनके शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान-2023 शामिल हैं। यह पुरस्कार उन्हें अंतर्राष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान की ओर से प्रदान किया गया था।

श्रीकृष्णा स्कूल में नए सत्र पर किया हवन

नीरज कौशिक

हवन यज्ञ में आहुति देते चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव व स्कूल परिवार।

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा में शुक्रवार को नए सत्र के शुभारंभ अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉर्डिनेटर सुशीला यादव ने बताया कि श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा में नए सत्र को लेकर हवन यज्ञ करवाया गया। जो पं. विकास शर्मा द्वारा किया गया। जिसमें यजमान के रूप में स्कूल के चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य एस.एस. यादव द्वारा की गई।

हवन कार्यक्रम में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों व अध्यापक-अध्यापिकाओं ने भाग लिया। हवन यज्ञ के दौरान विद्या की देवी मां शारदे का आह्वान किया गया और यह प्रार्थना की गई की अद्भुत संसार में शिक्षा का द्वीप अनंत युगों तक प्रज्वलित रहे। पं. विकास शर्मा ने बताया कि हवन का पावन उद्देश्य स्फूर्तिवान विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति गौरवमयी इतिहास तथा आधुनिक विकास के लिए प्रेरित किया।

स्कूल के चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि हिंदू धर्म में हवन धार्मिक एवं वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण बताया गया है। हवन करने की परम्परा सदियों से ही चली आ रही है। जिसका उल्लेख रामायण एवं महाभारत में भी किया गया है। हिंदू धर्म में हवन को शुद्धिकरण का एक कर्मकांड माना गया है। पूजा-पाठ सहित कोई भी धार्मिक कार्य हवन के बिना अधूरा है। हवन से आसपास की नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को खत्म किया जाता है। इस मौके पर स्कूल प्राचार्य एस.एस. यादव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हवन करने से पूजा पूर्ण मानी जाती है। हवन करने से वातावरण शुद्ध रहता है एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पूर्वजों के संस्कारों को ग्रहण करना शिक्षा के लिए अति आवश्यक है। इस मौके पर श्रीकृष्णा स्कूल सीहमा के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव को मिला सशक्तीकरण सम्मान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की सम कुलपति डॉ. सुषमा यादव को महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए महिला सशक्तीकरण सम्मान से नवाजा गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तीकरण हेतु उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान हेतु प्रयास निरंतर जारी है।

प्रो. सुषमा यादव ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने भागीदारी जनसहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी यूनिवर्सिटी), नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. केके अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा उनके कार्यों को देखते हुए दिया गया यह सम्मान महिला उत्थान की दिशा में जारी उनके प्रयासों को बल प्रदान करेगा। प्रो. सुषमा यादव को यह पुरस्कार राजधानी दिल्ली में इंजीनियर्स भवन के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। संवाद

प्रो. सुषमा को महिला सशक्तीकरण सम्मान

महेंद्रगढ़ | हकेवि की सम्कुलपति प्रो. डॉ. सुषमा यादव को महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों हेतु महिला सशक्तीकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। सम्कुलपति प्रो. डॉ. सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तीकरण हेतु उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान हेतु प्रयास निरंतर जारी है।

प्रो. यादव ने भागीदारी जनसहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. केके अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा उनके कार्यों को देखते हुए दिया गया। यह सम्मान महिला उत्थान की दिशा में जारी उनके प्रयासों को बल प्रदान करेगा। प्रो. सुषमा यादव को यह पुरस्कार राजधानी दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। यहां बता दे कि इससे पूर्व में भी प्रो. डॉ. सुषमा यादव को उनके शिक्षा व महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान-2023 शामिल हैं। यह पुरस्कार उन्हें अंतर्राष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान की ओर से प्रदान किया गया था।

हकेंवि समकुलपति सुषमा यादव को मिला सम्मान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. डा. सुषमा यादव को महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए महिला सशक्तीकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। समकुलपति प्रो. डा. सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तीकरण के लिए उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान के लिए प्रयास निरंतर जारी हैं।

प्रो. डा. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। प्रो. यादव ने इस मौके पर भागीदारी जनसहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी यूनिवर्सिटी), नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. केके अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा उनके कार्यों को देखते हुए दिया गया यह सम्मान महिला उत्थान की दिशा में जारी उनके प्रयासों को बल प्रदान करेगा। प्रो. सुषमा यादव को यह पुरस्कार राजधानी दिल्ली में इंजीनियर्स भवन के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। यहां बता दे कि इससे पूर्व में भी प्रो. डा. सुषमा यादव को उनके शिक्षा व महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र सौंपते समकुलपति प्रो. सुषमा यादव

महेंद्रगढ़। कुलपति को सम्मान पत्र सौंपते समकुलपति। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि समकुलपति को मिला महिला सशक्तिकरण सम्मान

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों हेतु महिला सशक्तिकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तिकरण हेतु उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान हेतु प्रयास निरंतर जारी है। प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

जताया आभार

प्रो. यादव ने इस मौके पर भागीदारी जनसहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. केके अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया। यहां बता दे कि इससे पूर्व में भी प्रो. सुषमा यादव को उनके शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान-2023 शामिल हैं। यह पुरस्कार उन्हें अंतर्राष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान की ओर से प्रदान किया गया था।

सुषमा को मिला महिला सशक्तिकरण सम्मान

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. (डा.) सुषमा यादव को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों हेतु महिला सशक्तिकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। समकुलपति प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तिकरण हेतु उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान हेतु प्रयास निरंतर जारी हैं।

प्रो. (डॉ.) सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। प्रो. यादव ने इस मौके पर भागीदारी जन सहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी यूनिवर्सिटी), नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. के.के. अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया।

हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव को मिला महिला सशक्तिकरण सम्मान

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र सौंपते हुए समकुलपति प्रो. सुषमा यादव।

महेंद्रगढ़, 10 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय प्रयासों हेतु महिला सशक्तिकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर उन्हें यह सम्मान सौंपा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि प्रो. यादव का योगदान महिला सशक्तिकरण हेतु उल्लेखनीय है। उनके द्वारा महिला उत्थान हेतु प्रयास निरंतर जारी हैं।

प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। प्रो. यादव ने इस मौके पर भागीदारी जनसहयोग समिति के प्रमुख व गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो. के.के. अग्रवाल का भी आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भागीदारी जनसहयोग समिति द्वारा उनके कार्यों को देखते हुए दिया गया यह सम्मान महिला उत्थान की दिशा में जारी उनके प्रयासों को बल प्रदान करेगा। प्रो. सुषमा यादव को यह पुरस्कार राजधानी दिल्ली में इंजीनियर्स भवन के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया गया।

यहां बता दें कि इससे पूर्व में भी प्रो. सुषमा यादव को उनके शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है, जिसमें सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान-2023 शामिलहै।यह पुरस्कार उन्हें अंतर्राष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान की ओर से प्रदान किया गया था।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 09 फरवरी, 2023 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च, 2023 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

बता दें कि इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बी. एससी. एम.एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी भौतिकी, बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए.बीएड सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है। इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्च, 2023 तक चलेगी। साथ ही अभ्यर्थी 1 अप्रैल से 03, 2023 अप्रैल तक आवेदन के विवरण में सुधार कर सकेंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी www.nta.ac.in https://cuet.samarth.ac.in/ पर उपलब्ध है।

हकेंवि के स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन अब 30 मार्च तक

संवाद न्यूज एजेंसी

नौ फरवरी से शुरू हुए हैं ऑनलाइन आवेदन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 09 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन के लिए बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

इन पाठ्यक्रमों में ले सकेंगे दाखिला

बता दें कि इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बीटेक इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी व एमएससी रसायन विज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससी व एमएससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससी व एमएससी भौतिकी, बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए, बीएड सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है। इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्च तक चलेगी। साथ ही अभ्यर्थी एक से तीन अप्रैल तक आवेदन के विवरण में सुधार कर सकेंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

▪ आवेदक अब 30 मार्च तक कर सकेंगे ऑनलाइन अप्लाई

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 9 फरवरी, 2023 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च, 2023 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

बता दें कि इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बीटेक इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी भौतिकी,बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए-बीएड सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है। इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्च, 2023 तक चलेगी। साथ ही अभ्यर्थी 1 अप्रैल से 03, 2023 अप्रैल तक आवेदन के विवरण में सुधार कर सकेंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी www.nta.ac.in अथवा https://cuet.samarth.ac.in/ पर उपलब्ध है।

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन तिथि 30 तक बढ़ी

संस, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में नौ फरवरी से आरंभ हुई दाखिलों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूइटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च तक कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन के लिए बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। बता दें कि इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी वाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी वाक बायोमेडिकल साइंसेज, बी वाक इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है। इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्च तक चलेगी।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में नौ फरवरी से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च कर दी गई है।

विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विवि में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। बता दें कि इस बार हकेंवि स्नातक स्तर पर बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट, बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बीटेक इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी. एमएससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी भौतिकी बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए बीएड सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है। इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्च तक चलेगी। अभ्यर्थी एक से तीन अप्रैल तक आवेदन के विवरण में सुधार कर सकेंगे।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का बाहरी दृश्य।

महेंद्रगढ़, 12 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 9 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 मार्च, 2023 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

बता दें कि इस बार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट, बी.वॉक. बायोमैडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमैंट, बी.टैक. कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बी.टैक. इलैक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बी.टैक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टैक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बी.एससी., एम.एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बी.एससी., एम.एससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी., एम.एससी. भौतिकी, बी.एससी. (ऑनर्स) मनोविज्ञान व 4 वर्षीय बी.ए. बी.एड. सहित 12 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान कर रहा है।

इन स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 30 मार्चतक चलेगी। साथ ही अभ्यर्थी 1 से 3 अप्रैल तक आवेदन के विवरण में सुधार कर सकेंगे।

मन के 'विज्ञान' से चुनौतियों पर जीत संभव

हकेंवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर शिक्षाविदों ने बताए टिप्स, विश्वभर से 600 प्रतिभागी हुए शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। इसमें देश विदेश से आए शिक्षाविदों ने कहा कि मनोविज्ञानी छात्र शिक्षक और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निबटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया।

हकेंविवि के कुलपति प्रो.टंकेश्वेर कुमार का स्वागत करते प्रो.वीएन यादव। संवाद

उन्होंने कहा कि मनोविज्ञानी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. सीआर दरोलिया ने सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण श्रीलंका की बावुनिया विश्वविद्यालय के प्रो. टी मंगलेश्वरन ने किया। मलेशिया के प्रो. टी मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूलों में मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी।

उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफस्टिंगल ऑस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा नागोया विश्वविद्यालय जापान, एरिक बी मिलर, यूके शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत मे विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शिक्षकों, विद्यार्थियों की चुनौतियों पर हुआ मंथन

सम्मेलन में डॉ. जय कृष्ण अभीर द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। अयोजन में प्रो. एनके सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और परबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डॉ. रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की। डॉ. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कॉलेज ने जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेंविवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर डेटा लिया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन, वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर दिया गया जोर

एशिया पैसिफिक स्कूल और इंडियन स्कूल के सहयोग से हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में \'एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)' पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी आर दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। डॉ. जय कृष्ण अभीर (आईएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। अयोजन में प्रो. एन.के. सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और सुश्री परबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया।

वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलाजी एसो. का जोर

छात्रों व शिक्षकों की चुनौतियों से निपटने में मनोवैज्ञानिक निभा सकते हैं अहम रोल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में "एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)" पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलाजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलाजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार ने समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, इरान, मेक्सिको, जापान, आस्ट्रिया, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की

आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो. गिरीश्वर मिश्र के साथ हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वेर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीआर दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इसमें लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया। स्कूल शिक्षकों और बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए डा. जय कृष्ण आभीर (आइएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। आयोजन में प्रो. एनके सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और प्रबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डा.रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की। डा. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कालेज ने जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर आकलन को शामिल किया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफस्टिंगल, आस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यूके शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत में विभाग में सहायक आचार्य डा. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

19 Mar 2023

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

■ भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो .गिरिश्वर मिश्र। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीआर दरोलिया ने अपने संबोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफस्टिंगल, ऑस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यूके शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत मे विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

19 Mar 2023

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

■ भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो .गिरिश्वर मिश्र। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीआर दरोलिया ने अपने संबोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफस्टिंगल, ऑस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यूके शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत मे विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

हकेवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन (अपस्पा) और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन (इंस्पा) के सहयोग से किया गया था। सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वीएसआर विजय कुमार समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया। उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी आर दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। एपीएसपीए और इनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें में लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया।

स्कूल शिक्षकों और बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए डॉ. जय कृष्ण अभीर (आईएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया। अयोजन में प्रो. एन.के. सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, एडीसी और सुश्री परबीना पी, एएसपी, महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डॉ.रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की। डॉ. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कॉलेज ने जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर डेटा लिया गया था।

इसी क्रम में पूर्ण सत्र में प्रो. मोहम्मद कमल उद्दीन, बांग्लादेश, प्रो. बारबा हनफर्सटिंगल, ऑस्ट्रिया, प्रो. मिचिको इशिकावा, नागोया विश्वविद्यालय, जापान, एरिक बी मिलर, यू.के. शर्मा, एमडीयू, रोहतक, किरेन देवेंद्र, पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और अन्य स्कूल मनोविज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर। प्रतिनिधियों की शोध पत्र प्रस्तुति के लिए कुल नौ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाते हैं। समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत मे विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

पंजाब केसरी
SUN, 19 MARCH 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

हकेंवि में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

'वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर दिया जोर'

महेंद्रगढ़, 18 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'एशिया पैसिफिक क्षेत्र में स्कूल मनोविज्ञान के विशेष संदर्भ के साथ सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.)' पर केंद्रित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया।

सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एशिया पैसिफिक स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन और इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था।

सम्मेलन के समापन सत्र में मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. वी.एस.आर. विजय कुमार समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका, मलेशिया, श्रीलंका, बंगलादेश, थाईलैंड, नेपाल, ईरान, मैक्सिको, जापान, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे विभिन्न देशों से लगभग 600 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

2 दिवसीय इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समग्र कल्याण के लिए मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन भाषण महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया और वैदिक काल की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया।

उन्होंने यह तर्क दिया कि कैसे नई शिक्षा नीति में मनोवैज्ञानिक पहलुओं के महत्व को शामिल किया गया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. सी.आर. दरोलिया ने अपने सम्बोधन में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा की। ए.पी.एस.पी.ए. और एन.एस.पी.ए. के अध्यक्ष प्रो. पंच रामलिंगम ने अध्यक्षीय भाषण दिया।

उद्घाटन भाषण प्रो. टी. मंगलेश्वरन, कुलपति, वावुनिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा दिया गया था। मलेशिया के प्रो. टी. मारीमुथु ने विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद स्कूल मनोविज्ञान की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

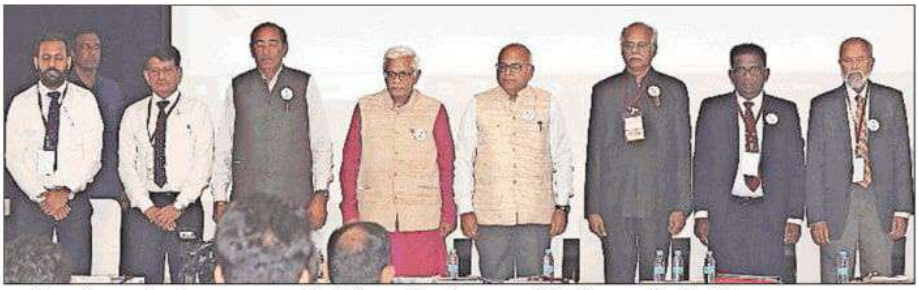

सम्मेलन के शुभारंभ के अवसर पर प्रो. गिरीश्वर मिश्र के साथ हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

कार्यशाला में 600 बच्चों और शिक्षकों ने लिया भाग

विश्वविद्यालय की सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव और कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी एक विशेष भाषण दिया और आयोजकों को बधाई दी। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. पायल चंदेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस आयोजन के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से नारनौल में बच्चों की सभा व शिक्षकों की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें में लगभग 600 बच्चों और स्कूल के शिक्षकों ने भाग लिया।

स्कूल शिक्षकों और बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए डॉ. जय कृष्ण अभीर (आईएएस) द्वारा सभा का उद्घाटन किया गया।

आयोजन में प्रो. एन.के. सक्सेना ने बच्चों से बातचीत की और कुछ जीवन कौशल बताए। वैशाली सिंह, ए.डी.सी. और परबीना पी, ए.एस.पी., महेंद्रगढ़ ने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया। डॉ. रीना राजपूत ने आवश्यक जीवन कौशल के बारे में विस्तार से बात की।

छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमता, नेतृत्व के गुणों पर ध्यान किया केंद्रित

डॉ. सूरज मल ने बाजार आर्थिक संचालित युग में छात्रों के बीच भावनात्मक बुद्धिमता, नेतृत्व के गुणों और उच्च प्रदर्शन वाले भागफल के विकास पर ध्यान केंद्रित किया।

डॉ. ज्योति यादव, प्राचार्य, रेवाड़ी कॉलेज ने जिला प्रशासन, महेंद्रगढ़ द्वारा मनोविज्ञान विभाग, हकेंवि, महेंद्रगढ़ के सहयोग से हुए शोध की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में 847 स्कूली बच्चों का शैक्षणिक तनाव और उनके स्वास्थ्य स्तर पर डाटा लिया गया था।

समापन सत्र में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. विश्वानंद यादव ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और आयोजन के अंत में विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्वविद्यालय में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

महेंद्रगढ़ | हकेवि में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी के उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला की शुरुआत हुई। सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विधार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और उनके अनुप्रयोग से अवगत कराना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से अवश्य ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विषयों में जारी शोध कार्यों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी। सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रतिभागियों से साझा की। इसके पश्चात कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार व आयोजन सचिव डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि आगामी 24 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आईआईटी कानपुर के प्रो. शलभ उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग के सह आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों पर कार्यशाला शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी के उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला की शुरुआत हुई। सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विधार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और उनके अनुप्रयोग से अवगत कराना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से अवश्य ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विषयों में जारी शोध कार्यों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी। सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत

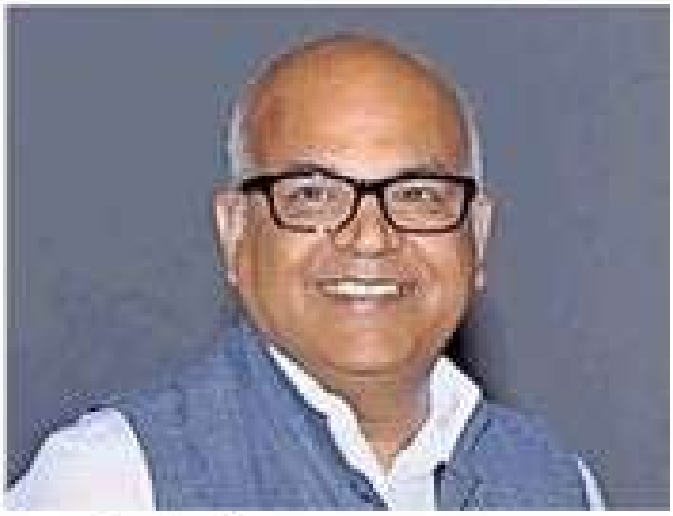

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रतिभागियों से साझा की। इसके पश्चात कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डा. मनोज कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यशाला के सह संयोजक डा. देवेंद्र कुमार व आयोजन सचिव डा. रविंद्र कुमार ने बताया कि आगामी 24 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आइआइटी कानपुर के प्रो. शलभ उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग के सह आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेंवि में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

महेंद्रगढ़, 20 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी के उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला की शुरूआत हुई।

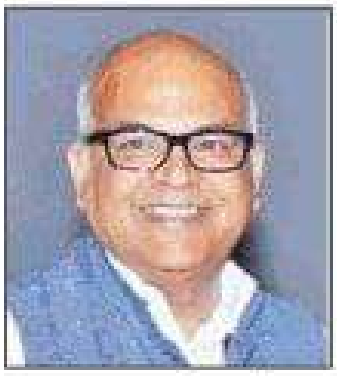

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डाटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और उनके अनुप्रयोग से अवगत कराना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से अवश्य ही शोधकर्त्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विषयों में जारी शोध कार्यों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी।

सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रतिभागियों से सांझा की।

इसके पश्चात कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार व आयोजन सचिव डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि आगामी 24 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आईआईटी कानपुर के प्रो. शलभ उपस्थित रहेंगे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अंत में विभाग के सह आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेवि में विश्व हैप्पीनेस डे के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

नीरज कौशिक

हकेवि में विश्व हैप्पीनेस डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। आज समाज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व हैप्पीनेस डे आयोजित किया गया। जीवन में खुशी के महत्व को याद करने के इस दिवस पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भागीदारी की। इस वर्ष दिवस का विषय बी माइंडफुल, बी ग्रेटफुल और बी काइंड है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज की तनाव भरी जीवन शैली में इस दिवस का महत्त्व और अधिक बढ़ गया है।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने बताया कि विश्व हैप्पीनेस डे प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। पहला अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस मार्च 2013 में मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हैप्पीनेस क्षेत्र में किया गया। यह क्षेत्र विद्यार्थियों द्वारा डॉ. रितु शर्मा के मार्गदर्शन में बनाया गया।

प्रो. वी.एन. यादव ने बताया कि कार्यक्रम में विभाग के 120 से अधिक विद्यार्थियों ने छात्रों ने भाग लिया। आयोजन में कार्यक्रम की आयोजक डॉ. रितु सहित विभाग के अन्य शिक्षकों डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ विष्णु कुचेरिया ने भी कैसे मनोविज्ञान के विद्यार्थी दुनिया को खुशहाल बना सकते हैं विषय पर विद्यार्थियों के साथ अपने विचार साझा किए।

देश के विकास में भगत सिंह की तरह योगदान दें युवा: प्रो. टंकेश्वर कुमार

- हकेवि में शहीद दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

नीरज कौशिक

राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते प्रो. चमनलाल।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में भगत सिंह की प्रासंगिकताः तब और अब विषय पर मंगलवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. चमन लाल व डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. गोपाल जी प्रधान उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में युवाओं को भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश के विकास में योगदान हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि शहीद भगत सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और आज की बात करें तो अगर हम अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी के साथ करते हैं तो यह देश के विकास के लिए उनका सही मायने में योगदान होगा।

कुलपति ने अपने संबोधन में भगत सिंह के बलिदान को याद करते हुए उनके द्वारा सामाजिक सौहार्द व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु प्रस्तुत विचारों का भी उल्लेख किया और उन्हें समझकर आगे बढ़ने के लिए सभागार में उपस्थित युवाओं को प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ आरंभ हुए इस कार्यक्रम की शुरूआत में अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. अंतरेश कुमार ने कुलपति का परिचय दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने प्रो. चमन लाल व श्री राकेश मीणा ने प्रो. गोपाल जी प्रधान का परिचय प्रस्तुत किया।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चमन लाल ने अपने संबोधन में भगत सिंह के स्वाधीनता संग्राम में योगदान के साथ-साथ उनके द्वारा प्रस्तुत लोकतांत्रिक मूल्यों व सामाजिक कुरूतियों के खिलाफ प्रस्तुत विचारों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. चमन लाल ने अनेकों उदाहरणों के माध्यम से भारत के निर्माण और उसके लिए आवश्यक विभिन्न मूल्यों को भी प्रस्तुत किया।

इसी क्रम में प्रो. गोपाल जी प्रधान ने भगत सिंह के माध्यम से आजादी की लड़ाई और उसके बाद आजाद भारत के निर्माण हेतु प्रस्तुत विचारों का उल्लेख करते हुए भगत सिंह के योगदान का स्मरण कराया। उन्होंने मुकदमें के दौरान भगत सिंह के द्वारा निरंतर प्रस्तुत किए जाने वाले विचारों को भारत के भविष्य के लिहाज से महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि नए भारत के निर्माण हेतु उनके विचार आज भी उपयोगी हैं। कार्यक्रम के अंत में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. बीरपाल सिंह, डॉ. समीक्षा गोदारा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. अमित कुमार, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में हवन के साथ किया नववर्ष का आगाज

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2080 के प्रथम दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ में वेदमंत्रों के उच्चारण-पूर्वक संध्या-वन्दन एवं हवन का कार्यक्रम का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भारतीय नववर्ष के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हवन करते शिक्षक। संवाद

विश्वविद्यालय के संस्कृत व योग विभाग के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में उपस्थित आचार्यों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व उनके परिवारजन सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से सभी को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस पर हुए कार्यक्रम

वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा विश्व हैप्पीनेस दिवस मनाया गया। जीवन में खुशी के महत्व को याद करने के इस दिवस पर विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भागीदारी की। इस वर्ष दिवस का विषय बी माइंडफुल, बी ग्रेटफुल और बी काइंड है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज की तनाव भरी जीवन शैली में इस दिवस का महत्त्व और अधिक बढ़ गया है। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल ने बताया कि विश्व हैप्पीनेस डे प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। पहला अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मार्च 2013 में मनाया गया।

देश के विकास में भगत सिंह की तरह योगदान दें युवा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में भगत सिंह की प्रासंगिकता तब और अब विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. चमन लाल, डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. गोपाल प्रधान उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने युवाओं को भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश के विकास में योगदान हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि शहीद भगत सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और आज की बात करें तो अगर हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी के साथ करते हैं तो यह देश के विकास के लिए उनका सही मायने में योगदान होगा। अनुसूचित जाति, जनजाति प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. अंतरेश कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी लोंग्कोई ने प्रो. चमन लाल व राकेश मीणा ने प्रो. गोपाल प्रधान का परिचय प्रस्तुत किया। संवाद

देश के विकास में भगत सिंह की तरह योगदान दें युवा : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में भगत सिंह की प्रासंगिकताः तब और अब विषय पर मंगलवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. चमन लाल व डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. गोपाल प्रधान उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह सर्वविदित है कि शहीद भगत सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और आज की बात करें तो अगर हम अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी के साथ करते हैं तो यह देश के विकास के लिए उनका सही मायने में योगदान होगा।

कुलपति ने भगत सिंह के बलिदान को याद करते हुए उनके द्वारा सामाजिक सौहार्द व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु प्रस्तुत विचारों का भी उल्लेख किया। प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने प्रो. चमन लाल व राकेश मीणा ने प्रो. गोपाल प्रधान का परिचय प्रस्तुत किया।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चमन लाल ने अपने भगत सिंह के स्वाधीनता संग्राम में योगदान के साथ-साथ उनके द्वारा प्रस्तुत लोकतांत्रिक मूल्यों व सामाजिक कुरूतियों के खिलाफ प्रस्तुत विचारों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. बीरपाल सिंह, डॉ. समीक्षा गोदारा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. अमित कुमार, डॉ. अभिरंजन, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय नववर्ष के प्रथम दिवस पर हकेवि में हवन हुआ

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में बुधवार को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् 2080 के प्रथम दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ में वेदमंत्रों के उच्चारण-पूर्वक सन्ध्या-वन्दन एवं हवन का कार्यक्रम का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के संस्कृत व योग विभाग के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में उपस्थित आचार्यों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व उनके परिवारजन सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से सभी को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार स्थित स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ में आयोजित इस हवन में पीठाचार्य प्रोफेसर रणवीर सिंह ने कई मुख्य मंत्र के अर्थ व याज्ञिक क्रियाओं का प्रयोजन, महत्त्व तथा प्रक्रियाओं का स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया। आयोजन में शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. नंदकिशोर व डॉ. सुमन रानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

'भगत सिंह की तरह योगदान दें युवा'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बलिदानी दिवस के उपलक्ष्य में 'भगत सिंह की प्रासंगिकता: तब और अब" विषय पर मंगलवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. चमन लाल और डा. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. गोपाल प्रधान उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह सर्वविदित है कि भगत सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और आज की बात करें तो अगर हम अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी के साथ करते हैं तो यह देश के विकास के लिए सही मायने में योगदान होगा।

कुलपति ने भगत सिंह के बलिदान को याद करते हुए उनके द्वारा सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रस्तुत विचारों का भी उल्लेख किया और उन्हें समझकर आगे बढ़ने के लिए सभागार में उपस्थित युवाओं को प्रेरित किया। प्रो. अंतरेश कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्रकोष्ठ की सदस्य डा. टी. लोंगकोई ने प्रो. चमन लाल व राकेश मीणा ने प्रो. गोपाल प्रधान का परिचय प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते प्रो. चमन लाल● सौ. हकेंवि

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चमन लाल ने भगत सिंह के स्वाधीनता संग्राम में योगदान के साथ-साथ उनके द्वारा प्रस्तुत लोकतांत्रिक मूल्यों व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रस्तुत विचारों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. गोपाल प्रधान ने भगत सिंह के माध्यम से आजादी की लड़ाई और उसके बाद आजाद भारत के निर्माण के लिए प्रस्तुत विचारों का उल्लेख करते हुए भगत सिंह के योगदान का स्मरण कराया। उन्होंने मुकदमे के दौरान भगत सिंह द्वारा निरंतर प्रस्तुत किए जाने वाले विचारों को भारत के भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के अंत में सवाल-जवाब सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ के सदस्य डा. शाहजहां ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. बीरपाल सिंह, डा. समीक्षा गोदारा, डा. प्रदीप कुमार, डा. कामराज सिंधु, डा. अमित कुमार, डा. अभिरंजन, डा. सिद्धार्थ शंकर राय, डा. रविंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विश्व हैप्पीनेस-डे के अवसर पर कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से विश्व हैप्पीनेस-डे आयोजित किया गया। जीवन में खुशी के महत्व को याद करने के इस दिवस पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भागीदारी की। इस वर्ष दिवस का विषय बी माइंडफुल, बी ग्रेटफुल और बी काइंड है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज की तनाव भरी जीवन शैली में इस दिवस का महत्व और अधिक बढ़ गया है। प्रो. पायल कंवर चंदेल ने बताया कि विश्व हैप्पीनेस-डे प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। पहला अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस मार्च 2013 में मनाया गया।

महेंद्रगढ़। भारतीय नववर्ष के अवसर पर हकेवि में हवन करते शिक्षक।

नववर्ष के अवसर पर हकेंवि में हवन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2080 के प्रथम दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ में वेदमंत्रों के उच्चारण-पूर्वक संध्या-वन्दन एवं हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में में उपस्थित आचार्यों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र, शोधार्थियों आदि सम्मिलित हुए।

देश के विकास में भगत सिंह की तरह योगदान दें युवा- प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 22 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में भगत सिंह की प्रासंगिकता: तब और अब विषय पर मंगलवार को राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस सैमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. चमन लाल व डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. गोपाल जी प्रधान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सैमिनार को संबोधित करते प्रो. चमन लाल।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में युवाओं को भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश के विकास में योगदान हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि शहीद भगत सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और आज की बात करें तो अगर हम अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी के साथ करते हैं तो यह देश के विकास के लिए उनका सही मायने में योगदान होगा।

कुलपति ने अपने संबोधन में भगत सिंह के बलिदान को याद करते हुए उनके द्वारा सामाजिक सौहार्द व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु प्रस्तुत विचारों का भी उल्लेख किया और उन्हें समझकर आगे बढ़ने के लिए सभागार में उपस्थित युवाओं को प्रेरित किया। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चमन लाल ने अपने संबोधन में भगत सिंह के स्वाधीनता संग्राम में योगदान के साथ-साथ उनके द्वारा प्रस्तुत लोकतांत्रिक मूल्यों व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रस्तुत विचारों पर भी प्रकाश डाला।

इसी क्रम में प्रो. गोपाल प्रधान ने भगत सिंह के माध्यम से आजादी की लड़ाई और उसके बाद आजाद भारत के निर्माण हेतु प्रस्तुत विचारों का उल्लेख करते हुए भगत सिंह के योगदान का स्मरण कराया। उन्होंने मुकद्दमे के दौरान भगत सिंह द्वारा निरंतर प्रस्तुत किए जाने वाले विचारों को भारत के भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया और कहा कि नए भारत के निर्माण हेतु उनके विचार आज भी उपयोगी हैं।

हिंदी साहित्य और सिनेमा पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान देते प्रकाश भारद्वाज। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग में दोहान व्याख्यान माला के अंतर्गत हिंदी साहित्य और सिनेमा विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी सिनेमा के निर्देशक व पटकथा लेखक प्रकाश भारद्वाज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि साहित्य और सिनेमा एक दूसरे के पूरक हैं और दोनों में एक अंतर्संबंध है। अनेक गीतकारों ने सिनेमा में अपना योगदान दिया है। हिंदी उपन्यास और कहानी पर पटकथा लिखते समय लेखक को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है और उसके समाधान को भी रेखांकित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस तरह के आयोजनों को विषय की समझ के लिए उपयोगी बताया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने कहा कि सिनेमा ने हिंदी को विश्व भाषा बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आज दुनिया के तमाम देशों में हिंदी सिनेमा के माध्यम से हिंदी भाषा का विस्तार हो रहा है। मंच का संचालन कर रहे सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने किया। कार्यक्रम में सह आचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने अध्यक्ष, मुख्य वक्ता, विद्यार्थी और शोधार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी

महेंद्रगढ़ |हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पीजी 2023 के अंतर्गत ये दाखिले होंगे और इस बार विश्वविद्यालय इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न 40 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2023 के अंतर्गत ये दाखिले होंगे और इस बार विवि इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न 40 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करेगा। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विवि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विवि में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर आठ स्कूलों के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध है। दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी आगामी 19 अप्रैल 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

हकेवि में हिंदी साहित्य और सिनेमा पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग में दोहान व्याख्यान माला के अंतर्गत 'हिंदी साहित्य और सिनेमा' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध निर्देशक व पटकथा लेखक प्रकाश भारद्वाज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि साहित्य और सिनेमा एक दूसरे के पूरक हैं और दोनों में एक अंतर्संबंध है। अनेक गीतकारों ने सिनेमा में अपना योगदान दिया है। हिंदी उपन्यास और कहानी पर पटकथा लिखते समय लेखक को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है और उसके समाधान को भी रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पटकथा लेखन से संबंधित सुझाव भी दिए। साहित्य और सिनेमा के जीवंत संबंध को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। हिंदी साहित्य की अन्य विधाओं जैसे कहानी, उपन्यास, जीवनी, नाटक आदि पर आधारित फिल्मों की प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस तरह के आयोजनों को विषय की समझ हेतु उपयोगी बताया।

हिंदी विभाग में आयोजित इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने कहा कि सिनेमा ने हिंदी को विश्व भाषा बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज दुनिया के तमाम देशों में हिंदी सिनेमा के माध्यम से हिंदी भाषा का विस्तार हो रहा है। हिंदी सिनेमा के गीतों ने दुनिया के तमाम देशों पर अपनी छाप छोड़ी है। सिनेमा आज सिर्फ़ मनोरंजन का नहीं बल्कि गंभीर अनुसंधान का भी क्षेत्र बन गया है।आज दुनिया में ज्ञान का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा है ,जहां सिनेमा ने अपनी दखल न दी हो। आयोजन में मंच का संचालन कर रहे सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने किया। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ. कमलेश कुमारी ने अध्यक्ष, मुख्य वक्ता, विद्यार्थी और शोधार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

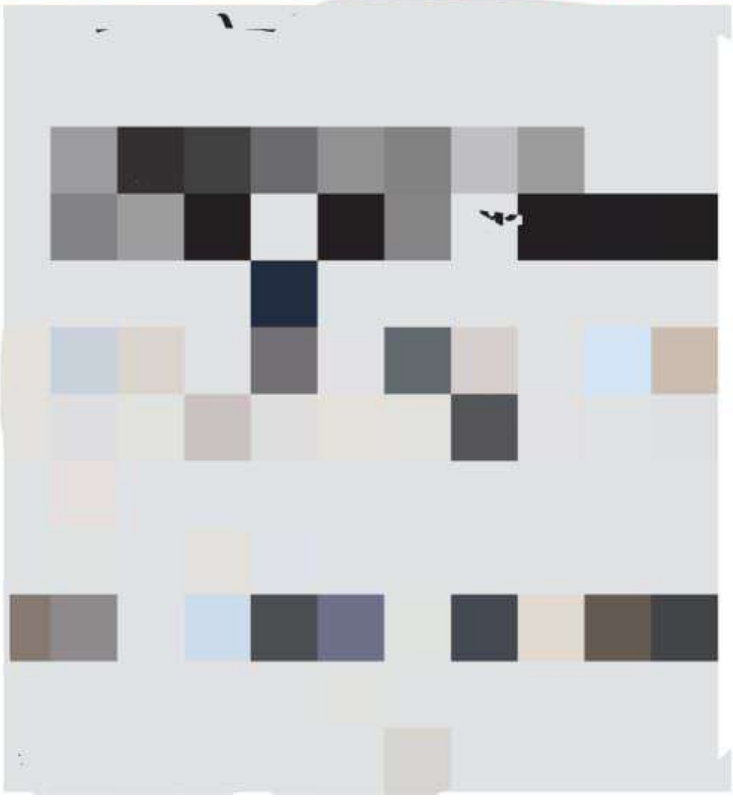

Admission process in PG programmes at CUH has started

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : The admission process for the session 2023-24 in Postgraduate (PG) programmes at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh is going on. These admissions will be done under the Common University Entrance Test (CUET) (PG) 2023 and this time the University will provide admission in various 40 programmes on the basis of this exam. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that students desirous of taking admission in the new session

are welcome. The University is striving for the all-round development of the students keeping in view the goal of the new National Education Policy. Under the session 2023-24, Diploma and Degree programmes are available in the University at postgraduate level, run by various departments available under 8 schools of the University. Students desirous of admission can apply through online medium till 19 April 2023. The application and detailed information related to it is available on the website www.cuet.nta.nic.in

PROF. TANKESHWAR KUMAR, VICE CHANCELLOR OF THE UNIVERSITY SAID THAT STUDENTS DESIROUS OF TAKING ADMISSION IN THE NEW SESSION ARE WELCOME. THE UNIVERSITY IS STRIVING FOR THE ALL-ROUND DEVELOPMENT OF THE STUDENTS KEEPING IN VIEW THE GOAL OF THE NEW NATIONAL EDUCATION POLICY.

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग का ज्ञान उपयोगी : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग द्वारा डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकी उपकरणों की आवश्यकता एवं उनके अनुप्रयोगों से अवगत कराया गया।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मौजूदा समय में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन बेहद आवश्यक है और अवश्य ही प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के माध्यम से सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयो से संबंधित अपने नवीन शोध कार्य को इन अनुप्रयोग का उपयोग करने में मदद मिलेगी। समापन सत्र की शुरूआत कार्यशाला के संयोजक डॉ. कपिल कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। डॉ. मनोज कुमार ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला के सह-संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि आयोजन में आईआईटी कानपुर के प्रो. शलभ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह व प्रो. संजय सिंह, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के प्रो. भूपेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग का ज्ञान उपयोगी है : प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित 5 दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकी उपकरणों की आवश्यकता एवं उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति से अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र में अपने संदेश के माध्यम से कहा कि मौजूदा समय में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन बेहद आवश्यक है और अवश्य ही प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के माध्यम से सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयो से संबंधित अपने नवीन शोध कार्य को इन अनुप्रयोग का उपयोग करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों के अनुप्रयोग ज्ञान बेहद उपयोगी साबित होगा।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र की शुरुआत कार्यशाला के संयोजक डॉ. कपिल कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. मनोज कुमार ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला के सह-संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस आयोजन में आईआईटी कानपुर के प्रो. शलभ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह व प्रो. संजय सिंह, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के प्रो. भूपेन्द्र सिंह, राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. नागर, आईआईआईटी उना के प्रो. एएनगिल, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ के प्रो. सुरेश कुमार शर्मा, बीबीए विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉ अमित कुमार मिश्रा, एसजीपीजीआई लखनऊ के डॉ. अनूप कुमार विशेषज्ञ के रूप उपस्थित रहे। उन्होंने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही भविष्य में ऐसे आयोजन में उनका सहयोग विश्वविद्यालय व विभाग को मिलता रहेगा। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में बताया। जैव रसायन विज्ञान विभाग के प्रो.अंत्रेश कुमार ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. रविंदर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय उपकरणों के अनुप्रयोग का ज्ञान उपयोगीः प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 24 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर केंद्रित 5 दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डाटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकी उपकरणों की आवश्यकता एवं उनके अनुप्रयोगों में वर्तमान प्रगति से अवगत कराया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र में अपने संदेश के माध्यम से कहा कि मौजूदा समय में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन बेहद आवश्यक है और अवश्य ही प्रतिभागियों को इस कार्यशाला के माध्यम से सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान शिक्षा आदि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित अपने नवीन शोध कार्य को इन अनुप्रयोग का उपयोग करने में मदद मिलेगी। डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों के अनुप्रयोग ज्ञान बेहद उपयोगी साबित होगा।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र की शुरूआत कार्यशाला के संयोजक डॉ. कपिल कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके पश्चात कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. मनोज कुमार ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यशाला के सह-संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस आयोजन में आई.आई.टी. कानपुर के प्रो. शलभ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह व प्रो. संजय सिंह, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के प्रो. भूपेन्द्र सिंह, राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. नागर, आई.आई.आई.टी. उना के प्रो. ए.एन.गिल, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रो. सुरेश कुमार शर्मा, बी.बी.ए. विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉ. अमित कुमार मिश्रा, एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ के डॉ. अनूप कुमार विशेषज्ञ के रूप उपस्थित रहे।

हकेंवि।

उन्होंने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही भविष्य में ऐसे आयोजन में उनका सहयोग विश्वविद्यालय व विभाग को मिलता रहेगा। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में बताया। जैव रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. अंत्रेश कुमार ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. रविंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

एलुमिनी मीट में आज जुटेंगे हकेवि के पूर्व छात्र

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन 29 मार्च को होने जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी विश्वविद्यालय परिसर में जुटेंगे। विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ की ओर से मंगलवार 28 मार्च को विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों के योगदान पर केंद्रित विशेष संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि बीते सालों की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर पूर्व छात्र का विशेष सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में प्रतिभागिता हेतु विभिन्न विभागों के 450 से अधिक पूर्व छात्र शामिल होने जा रहे हैं। संघ की ओर से इस संबंध में पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया है जोकि देश के विभिन्न क्षेत्रों से विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह से पूर्व में आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय प्रशासन व पूर्व छात्र मिलकर एक मंच पर विश्वविद्यालय के विकास में योगदान विषय पर चर्चा करेंगे और सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय का नौवा दीक्षांत समारोह 29 मार्च को आयोजित हो रहा है। जिसमें असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी मुख्य अतिथि तथा हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी।

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

- हकेवि में वॉइस टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन
- सीबीएसई के पूर्व सहायक सचिव धरम सिंह विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

नीरज कौशिक

कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ धर्म सिंह व हिंदी कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो. बीर पाल सिंह यादव। **आज समाज**

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा श्री धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। जिसमें यह कार्यशाला महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित सभी सदस्यों विशेषकर अधिष्ठाता शिक्षा पीठ प्रो. सारिका शर्मा व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का भी स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता श्री धरम सिंह ने अपने संबोधन में वॉइस टाइपिंग हेतु उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। उन्होंने गूगल डॉक्स, गूगल ट्रांस्लेटर जैसे कम्प्यूटर में उपलब्ध वॉइस टाइपिंग के विकल्पों से अवगत कराया और उनका अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान हस्त लेखन का भी अभ्यास प्रतिभागियों ने किया। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

आयोजन में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

नौवें दीक्षांत समारोह से पूर्व एलुमिनी मीट में आज जुटेंगे हकेंवि के पूर्व छात्र

महेंद्रगढ़ |हकेंवि में नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन 29 मार्च को होने जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी विश्वविद्यालय परिसर में जुटेंगे। विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ की ओर से मंगलवार 28 मार्च को विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों के योगदान पर केंद्रित विशेष संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि बीते सालों की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर पूर्व छात्र का सम्मेलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विभिन्न विभागों के 450 से अधिक पूर्व छात्र शामिल होने जा रहे हैं।

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा।

विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। विशेषज्ञ वक्ता श्री धरम सिंह ने अपने संबोधन में वॉइस टाइपिंग हेतु उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

आयोजन में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

नौवें दीक्षा समारोह के तहत आज जुटेंगे हकेंवि के पूर्व छात्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में नौवें दीक्षा समारोह का आयोजन 29 मार्च को होने जा रहा है। इस अवसर पूर्व छात्र भी विश्वविद्यालय के परिसर में जुटेंगे। विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ की ओर से मंगलवार 28 मार्च को विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों के योगदान पर केंद्रित विशेष संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहेंगे। पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि बीते सालों की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर पूर्व छात्र का विशेष सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में प्रतिभागिता के लिए विभिन्न विभागों के 450 से अधिक पूर्व छात्र शामिल होने जा रहे हैं। प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय प्रशासन व पूर्व छात्र मिलकर एक मंच पर विश्वविद्यालय के विकास में योगदान विषय पर चर्चा करेंगे। इसमें असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी मुख्य अतिथि तथा हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। नौवें दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी।

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्वपूर्ण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को वायस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष

प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला का लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास जारी है। यह कार्यशाला महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित सभी सदस्यों विशेषकर अधिष्ठाता शिक्षा पीठ प्रो. सारिका शर्मा व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का भी स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता धरम सिंह ने अपने संबोधन में वायस टाइपिंग के लिए उपलब्ध विभिन्न आनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। उन्होंने गूगल डाक्स, गूगल ट्रांसलेटर जैसे कंप्यूटर में उपलब्ध वाइस टाइपिंग के विकल्पों से अवगत कराया और उनका अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान हस्त लेखन का भी अभ्यास प्रतिभागियों ने किया। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

एलुमिनी मीट में आज जुटेंगे पूर्व छात्र

■ हकेंवि के विकास में योगदान पर कुलपति संग करेंगे चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन 29 मार्च को होने जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी विश्वविद्यालय परिसर में जुटेंगे। विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ की ओर से मंगलवार को विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों के योगदान पर केंद्रित विशेष संवाद का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहेंगे। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि बीते सालों की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर पूर्व छात्र का विशेष सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में प्रतिभागिता हेतु विभिन्न विभागों के 450 से अधिक पूर्व छात्र शामिल होने जा रहे हैं। इस सम्मेलन में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय प्रशासन व पूर्व छात्र मिलकर एक मंच पर विश्वविद्यालय के विकास में योगदान पर चर्चा करेंगे और आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

हिंदी के विकास में तकनीक महत्वपूर्ण

■ हकेंवि में वॉइस टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धर्म सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। जिसमें यह कार्यशाला महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हिंदी के विकास में तकनीक का योगदान महत्त्वपूर्ण

सीबीएसई के पूर्व सहायक सचिव धरम सिंह विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को वॉइस टाइपिंग व हिंदी हस्त लेखन विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी सलाहकार समिति के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली के पूर्व सहायक सचिव, राजभाषा धरम सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में तकनीक वह माध्यम है, जिसका उपयोग कर हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सहज हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विषय बेहद उपयोगी है और अवश्य ही इसका लाभ प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्राप्त होगा।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की हिंदी सलाहकार समिति के संयोजक व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविद्यालय कुलपति द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रयास जारी है। जिसमें यह कार्यशाला महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के रूप में उपस्थित सभी सदस्यों विशेषकर अधिष्ठाता शिक्षा पीठ प्रो. सारिका शर्मा व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान का भी स्वागत किया। विशेषज्ञ वक्ता श्री धरम सिंह ने अपने संबोधन में वॉइस टाइपिंग हेतु उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन विकल्पों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से हिंदी टाइपिंग न जानते हुए भी आप हिंदी में कार्यालयीन कार्य सहजता के साथ कर सकते हैं। उन्होंने गूगल डॉक्स, गूगल ट्रांसलेटर जैसे कम्प्यूटर में उपलब्ध वॉइस टाइपिंग के विकल्पों से अवगत कराया और उनका अभ्यास भी प्रतिभागियों को कराया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान हस्त लेखन का भी अभ्यास प्रतिभागियों ने किया। कार्यशाला में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य कार्यालय भी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। आयोजन में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में एलुमिनी मीट में आज, दीक्षांत समारोह कल

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 29 मार्च को होने जा रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भी विश्वविद्यालय परिसर में जुटेंगे। विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ की ओर से मंगलवार 28 मार्च को विश्वविद्यालय के विकास में पूर्व छात्रों के योगदान पर केंद्रित विशेष संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि बीते सालों की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह की पूर्व संध्या पर पूर्व छात्र का विशेष सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में प्रतिभागिता हेतु विभिन्न विभागों के 450 से अधिक पूर्व छात्र शामिल होने जा रहे हैं।

यहां बता दें कि दीक्षांत समारोह में असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी मुख्यातिथि तथा हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

हकेवि का नौवां दीक्षांत समारोह आज

दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को दी जाएंगी डिग्रियां

प्रो. जगदीश मुखी मुख्य अतिथि व प्रो. के.सी. शर्मा होंगे विशिष्ट अतिथि

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि का नौवां दीक्षांत समारोह बुधवार 29 मार्च, 2023 को आयोजित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। जबकि हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नौवे दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार इस बार 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि, 18 को एम.फिल और 1013 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो दीक्षांत समारोह में 43 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल है। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

हकेवि में दो स्वयंसेवकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

महेंद्रगढ़ | हकेवि के स्वयंसेवको आलोकनाथ पाण्डेय व अमरदीप कुमार को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा चण्डीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चण्डीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आलोक व अमरदीप कुमार ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम समन्यवयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. प्रदीप एवं डॉ. रेनु को देते हुए कहा कि उनसे मिली प्रेरणा के कारण ही यह सब संभव हो पाया है।

हकेंवि का नौवां दीक्षा समारोह आज

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) का नौवा दीक्षा समारोह बुधवार 29 मार्च को आयोजित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस दीक्षा समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि, जबकि हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार इस बार 22 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, 18 को एमफिल और 1013 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएंगी। 43 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे।

इन विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीवाक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

हकेंवि के स्वयंसेवकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवकों आलोकनाथ पांडेय व अमरदीप कुमार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र आलोक व अमरदीप कुमार को एनएसएस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चंडीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आलोक व अमरदीप कुमार ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम समन्यवयक प्रो. दिनेश चहल, डा. प्रदीप एवं डा. रेनु को देते हुए कहा कि उनसे मिली प्रेरणा के कारण ही यह सब संभव हो पाया है। इस अवसर पर उनके माता पिता ने कहा कि वो इस मौके पर गौरवांवित महसूस कर रहे है। सम्मान समारोह में उपस्थित हरियाणा के उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, एनएसएस दिल्ली निदेशालय के निदेशक जंगजिलोंग ने भी दोनों स्वयंसेवको बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

चंडीगढ़ में सम्मान पाने के बाद आलोक व अमरदीप कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हकेंवि का नौवा दीक्षांत समारोह

- दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिलेगी डिग्रियां
- प्रो. जगदीश मुखी मुख्यातिथि व प्रो. केसी शर्मा होंगे विशिष्ट अतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का नौवा दीक्षांत समारोह बुधवार को आयोजित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार

ने बताया कि असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि जबकि हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नौवे दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार इस बार 22 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, 18 को एमफिल और 1013 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो दीक्षांत समारोह में 43 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल है। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीवॉक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

स्वयंसेवकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

■ आलोक नाथ पांडेय व अमरदीप कुमार को राजभवन में मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। चंडीगढ़ मे सम्मान पाने के बाद अलोक व अमरदीप कुमार। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक आलोकनाथ पांडेय व अमरदीप कुमार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई क समंवयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र आलोक व अमरदीप कुमार को एनएसएस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चंडीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। आलोक व अमरदीप कुमार ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम समन्यवयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. प्रदीप एवं डॉ. रेनु को देते हुए कहा कि उनसे मिली प्रेरणा के कारण ही यह सब संभव हो पाया है। इस अवसर पर उनके माता-पिता ने कहा कि वो इस मौके पर गौरवांवित महसूस कर रहे है।

हकेवि के दो स्वयंसेवको को राज्यपाल ने किया सम्मानित

आलोक नाथ पाण्डेय व अमरदीप कुमार को राजभवन में मिला सम्मान

हरियाणा ज्योति/महेन्द्रगढ़,प्रमोद बेवल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवको आलोकनाथ पाण्डेय व अमरदीप कुमार को हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय द्वारा चण्डीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों स्वयंसेवको को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई क समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र आलोक व अमरदीप कुमार को एनएसएस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने चण्डीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आलोक व अमरदीप कुमार ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम समन्यवयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. प्रदीप एवं डॉ. रेनु को देते हुए कहा कि उनसे मिली प्रेरणा के कारण ही यह सब

संभव हो पाया है। इस अवसर पर उनके माता पिता ने कहा कि वो इस मौके पर गौरवांवित महसूस कर रहे है। सम्मान समारोह में उपस्थित हरियाणा के उच्चतर शिक्षा मंत्री माननीय श्री मूलचंद शर्मा, एनएसएस दिल्ली निदेशालय के निदेशक श्री जंगजिलोंग ने भी दोनों स्वयंसेवको बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हकेवि का नौवा दीक्षांत समारोह आज

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) का नौवा दीक्षांत समारोह बुधवार 29 मार्च, 2023 को आयोजित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि जबकि हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नौवे दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जायेंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार इस बार 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि, 18 को एम.फिल और 1013 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो दीक्षांत समारोह में 43 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल है। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

हकेवि के दो स्वयंसेवको को राज्यपाल ने किया सम्मानित

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवको आलोकनाथ पाण्डेय व अमरदीप कुमार को हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय द्वारा चण्डीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों स्वयंसेवको को इस उपलबंधि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई क समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र आलोक व अमरदीप कुमार को एनएसएस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा के महामहिम

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने चण्डीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आलोक व अमरदीप कुमार ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम समन्यवयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. प्रदीप एवं डॉ. रेनु को देते हुए कहा कि उनसे मिली प्रेरणा के कारण ही यह सब संभव हो पाया है। इस अवसर पर उनके माता पिता ने कहा कि वो इस मौके पर गौरवांवित महसूस कर रहे है। सम्मान समारोह में उपस्थित हरियाणा के उच्चतर शिक्षा मंत्री माननीय श्री मूलचंद शर्मा, एनएसएस दिल्ली निदेशालय के निदेशक श्री जंगजिलोंग ने भी दोनों स्वयंसेवको बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हकेवि का नौवा दीक्षांत समारोह आज

त्रिनेत्र न्यूज/विनीत पंसारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) का नौवा दीक्षांत समारोह बुधवार 29 मार्च, 2023 को आयोजित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि जबकि हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नौवे दीक्षांत समारोह में पिछले एक साल में उत्तीर्ण कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जायेंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार इस बार 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि, 18 को एम.फिल और 1013 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री प्रदान की जाएगी। जहां तक स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की बात है तो दीक्षांत समारोह में 43 छात्र-छात्राओं को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। जहां तक छात्र-छात्राओं की बात है तो इस दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने वाले कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल है। यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

हकेवि के दो स्वयंसेवको को राज्यपाल ने किया सम्मानित

आलोक नाथ पाण्डेय व अमरदीप कुमार को राजभवन में मिला सम्मान

त्रिनेत्र न्यूज/विनीत पंसारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवको आलोकनाथ पाण्डेय व अमरदीप कुमार को हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय द्वारा चण्डीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दोनों स्वयंसेवको को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई क समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र आलोक व अमरदीप कुमार को एनएसएस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने चण्डीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आलोक व अमरदीप कुमार ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा एवं कार्यक्रम समन्यवयक प्रो. दिनेश चहल, डॉ. प्रदीप एवं डॉ. रेनु को देते हुए कहा कि उनसे मिली प्रेरणा के कारण ही यह सब संभव हो पाया है। इस अवसर पर उनके माता पिता ने कहा कि वो इस मौके पर गौरवांवित महसूस कर रहे है। सम्मान समारोह में उपस्थित हरियाणा के उच्चतर शिक्षा मंत्री माननीय श्री मूलचंद शर्मा, एनएसएस दिल्ली निदेशालय के निदेशक श्री जंगजिलोंग ने भी दोनों स्वयंसेवको बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक : प्रो. जगदीश मुखी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल माननीय प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों को भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों को समेकित स्थापना होगी। समस्त विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना भरी होनी चाहिए और इसे अपने आचरण से भी प्रदर्शित करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए।

विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन डॉक्टरेट जैसी उपाधि प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनुभूति और अभ्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं को दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे।

विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.बीके. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचंभित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है। भविष्य में भी वह इसी तरह सर्वोत्तम के लिए प्रयास करतीं रहेंगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनित ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन व निर्देशन में ही सफलता का यह सफर पूर्ण हुआ है।

एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि ककीनन खुशी प्रदान कर रही है।

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी मां को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की। पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूं। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

केविवि दीक्षांत समारोह • लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक : पूर्व राज्यपाल

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएच.डी., 18 को एमफिल और 1013 को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस दौरान असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा पहुंचे। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन 'पैकेज' प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।

किसी ने अपने गुरुजनों को किसी ने परिवार को दिया अपनी सफलता का श्रेय

हकेवि में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

• समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचंभित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है।

• पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया । उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

• बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत ने कहा कि उनकी यह उपलब्धि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व शिक्षकों को समर्पित किया ।

• एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलब्धि यकीनन खुशी प्रदान कर रही है।

• बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी मां को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है।

• शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की।

-पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलब्धि के बाद बेहद खुश हूं। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलब्धि तक पहुंच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

यह दिन विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगा : प्रो. टंकेश्वर

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत बहुत आवश्यक : प्रो. जगदीश मुखी

असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी बने मुख्य अतिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षा समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षा समारोह में शामिल हुए। दीक्षा समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई।

मुख्य अतिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि डिग्री हासिल के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है, अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षा समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एलओसीएफ, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया।

दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के साथ कुलपति व विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्य

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीयाक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 18 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक: प्रो. जगदीश

हकेंवि के नौवें दीक्षांत समारोह में 1013 छात्रों को डिग्री वितरित

43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएचडी, 18 को एमफिल व 1013 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के साथ कुलपति व विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दीक्षांत समारोह की शुरूआत कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूं। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति तथा मेहनत से इसे हासिल करें। विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाशचंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर

महेंद्रगढ़। दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन पैकेज प्राप्त करना नहीं हो सकता है। उन्होंने छात्रों का उत्साह भी बढ़ाया।

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 छात्रों को मिली उपाधियां

हकेंवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 120 तथा बीवोक में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएचडी व 18 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598

अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति

अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाशचंद्र शर्मा व सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में नए काम किए जा रहे है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए केवल दो गुरु मंत्र प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत : प्रो. जगदीश मुखी

- हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी
- 43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 22 को पीएच.डी., 18 को एम.फिल. और 1013 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुड़ियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के नौवें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ। इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल माननीय प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि मैं समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ। साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सतत मेहनत से इसे हासिल करें। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी। समस्त विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना भी होनी चाहिए और इसे अपने आचरण से भी प्रदर्शित करना चाहिए। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह अब भारतीय संस्कृति की ओर लौट आया है। यह अवसर अर्जित शिक्षा को जीवन में उतारने का है। हमें शिक्षा को आचरण में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का दर्शन 'पैकेज' प्राप्त करना नहीं हो सकता है। अनुभूति और अध्यात्मपरक शिक्षा देना हमारी संस्कृति रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुपालना में भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण विषयों और मातृभाषाओं को शामिल कर युवाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर और आत्मसक्षम भारत अवश्य बनेगा। अभिमान मुक्त ज्ञान आपके जीवन को श्रेष्ठ बनाए, यही मेरी कामना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के तीन आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे। विश्वविद्यालय लघु भारत की संकल्पना को समाहित करते हुए हरियाणा के अतिरिक्त 25 अन्य राज्यों के 53 प्रतिशत विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में एमओओसीएस, सीबीसीएस और ब्लेंडेड लर्निंग के माध्यम से मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है। उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। मंच का कुशल संचालन डॉ. रिंकु यादव एवम डॉ. पूजा यादव ने किया। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विवेक कुमार, दिल्ली से प्रो आरपी तुलसीयान, वरिष्ठ पत्रकार अतुल सिंघल, श्रद्धानंद कॉलेज दिल्ली से टेकचंद, डॉ राकेश गुप्ता एसओडी मैथ्स, प्रो रणबीर सिंह एसओडी पर्यटन, डॉ विवेक एसओडी ज्योग्राफी, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी शैलेंद्र, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

43 स्वर्ण पदक सहित 1053 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेवि के नौवें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को आयोजित नौवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है यह उनके चमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

समाजशास्त्र विभाग की छात्रा स्मृति प्रिया पदक पाकर व अचर्मभित और रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह सफलता प्राप्त हुई है। भविष्य में भी वह इसी तरह सर्वोत्तम के लिए प्रयास करतीं रहेगी।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्र अगस्त मुनि मिश्रा ने अपनी इस उपलबंधि के लिए विभाग के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रयासों व मार्गदर्शन से ही आज वह इस सफलता को प्राप्त कर पाए। उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त किया।

बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनित ने कहा कि उनकी यह उपलबंधि मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी सफलता है। उन्होंने अपना यह पदक अभिभावकों व

शिक्षकों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन व निर्देशन में ही सफलता का यह सफर पूर्ण हुआ है।

एमसीए की छात्रा हेमा कुमारी ने स्वर्ण पदक पाने के बाद कहा कि उन्हें इसे पाकर गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर अपने शिक्षकों विशेषकर डॉ. सूरज आर्य और अपने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान सदैव पढ़ाई पर ही रहा है और यह उपलबंधि यकीनन खुशी प्रदान कर रही है।

बायोटेक्नोलॉजी की छात्रा शुभांगी सिंह ने कहा कि यह सफलता उनके लिए बेहद खुशी की बात है और उनके विभाग के शिक्षकों की मेहनत का ही परिणाम है कि विभाग के सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। शुभांगी ने अपना यह पदक अपनी माँ को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग व शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही उन्हें यह सफलता मिल सकी है।

शिक्षक शिक्षा विभाग के विद्यार्थी कुमार गंधर्व ने कहा कि उन्होंने जब इस कोर्स में दाखिला लिया था, तब उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं था कि वे स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने हर दिन कुछ नया सीखा, जिसमें विश्वविद्यालय का माहौल बेहद मददगार साबित हुआ। उन्होंने कोरोना काल में विश्वविद्यालय के स्तर पर जारी अध्ययन-अध्यापन के प्रयासों की भी सराहना की।

पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा साक्षी वर्मा ने कहा कि मैं इस उपलबंधि के बाद बेहद खुश हूँ। मेरा दाखिला कोरोना काल के दौरान हुआ था। इसके बाद भी अभिभावकों व शिक्षकों की मेहनत का नतीजा है कि वह इस उपलबंधि तक पहुँच सकी और यह पदक शिक्षकों विशेषकर डॉ. तेजपाल ढेवा व मेरे अभिभावकों को समर्पित है।

हकेंवि का 9वां दीक्षांत समारोह

लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रबल इच्छाशक्ति व कड़ी मेहनत आवश्यक: प्रो. जगदीश मुखी

■ 43 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिले स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़, 29 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के 9वें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार 29 मार्च को हुआ।

इस अवसर पर असम के पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि वह समस्त उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हैं।

साथ ही यह ध्यान दिलाना चाहते हैं कि इस डिग्री के पीछे उनके परिजनों और शिक्षकों का कठिन परिश्रम है। विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र जिस क्षेत्र में जाएंगे देश और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है अपितु एक अच्छे नागरिक का निर्माण करना है। आप अपनी शिक्षा का उपयोग कमजोर और अशिक्षित लोगों की भलाई के लिए करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। विद्यार्थी अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारण में सावधानी बरतें और प्रबल इच्छाशक्ति और सख्त मेहनत से इसे हासिल करें।

शिक्षकों को प्रेरित करते हुए प्रो. मुखी ने कहा कि राष्ट्रीय के साथ-साथ स्थानीय चुनौतियों और समस्याओं को केंद्रित कर शोध को आगे बढ़ाएं। मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार में हो रहे प्रयोगों और प्रयासों की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उपलब्ध समस्त विकल्पों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा और प्राचीन एवं नवीन मूल्यों की समेकित स्थापना होगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. जगदीश मुखी व विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश चंद्र शर्मा व सभी गण्यमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपाधि विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई

दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के साथ कुलपति, विशिष्ट अतिथि व अन्य गण्यमान्य।

1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को मिलीं उपाधियां व स्वर्ण पदक

हकेंवि के 9वें दीक्षांत समारोह में कुल 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल., स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां व स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

इनमें स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टैक. में 120 तथा बी.वॉक. में 112 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 781 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 22 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 18 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1053 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 598 छात्र और 455 छात्राएं शामिल हैं।

विद्यार्थी जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं

उन्होंने 21वीं सदी में भारत के विकास के 3 आधारों का जिक्र करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युगानुकूल अत्याधुनिक शोध और नवाचार से हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी के आगमन और उपलब्धियों से हमारा मान बढ़ा है और मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का जीवन हमें प्रेरणा प्रदान करता है।

उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में ज्ञान और राष्ट्र सेवा को आदर्श बनाएं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।